नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

वर्धा संस्कार आयोजित बगरयो बसंत है में
अकाल और उसके बाद, सत्य कविता पर नाट्यमंचन

प्रदर्शनकारी कला विभाग के छात्रों का सराहनीय प्रयास

वर्धा दि. 13 फरवरी 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक प्रकोष्ठ

वर्धा संस्कार और नागार्जुन सराय के संयुक्त तत्वावधान में बसंत पंचमी पर गीत-संगीत, कविता, कहानी और मंचन का तीन दिवसीय उत्सव 'बगरयो बसंत है' के अंतर्गत गुरुवार को सुविख्यात कवि नागार्जुन की कविता 'अकाल और उसके बाद' एवं 'सत्य' पर नाट्यमंचन किया गया। यह कविता आज भी प्रासंगिक हैं जहाँ एक तरफ झूठ एवं फरेब का ही बोल बाला है इसी बात को सत्य कविता रखती है की किस तरह से 'सत्य को लकवा मार गया है वह लबें ठूठ की तरह पड़ा रहता'। मंचन के लिए मार्गदर्शन विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावड़े ने किया। इस कविता का नाट्य मंचन का निर्देशन प्रदर्शनकारी कला विभाग की सहायक प्रोफेसर सुरभि विप्लव ने किया। इस प्रस्तुति में प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) के एम .ए द्वितीय छमाही के छात्रों ने अभिनय किया जिसमें मंच पर - मेघा देशमुख, सुभाष कुमार भारती, विजय कुड़िया, सद्दाम हुसैन, राजशेखर, बृजनाथ सिंह, सुनील गावस्कर, जितेंद्र कुमार

ने भूमिकाएं निभायी। नाट्यमंचन के लिए डॉ. अविचल गौतम, मुकेश जयसवाल, केतन सोनी एवं

राजदीप राठौर का विशेष सहयोग रहा। प्रस्तुति के दौरान कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र, श्रीमती माधुरी मिश्र, कहानीकार चित्रा मुदगल, रमेश दवे, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे, वर्धा संस्कार के संयोजक राकेश श्रीमाल, बहुवचन के संपादक अशोक मिश्र, कहानीकार सहायक प्रोफेसर राकेश मिश्र, सहायक प्रोफेसर हरप्रीत कौर, कवि प्रदीप त्रिपाठी आदि सहित अध्यापक,अधिकारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर

कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा कलाकारों को सम्मानित किया गया।